विश्व पर्यावरण दिवस

चर्चा में क्यों?

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रतिवर्ष **5 जून** को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

मुख्य बिंदु:

- हाल ही में वनों की कटाई/निर्वनीकरण से निपटने के लिये एक उल्लेखनीय पहल करते हुए दो पर्यावरणविदों, **जय धर गुप्ता** और **विजय धस्माना** ने उत्तराखंड के राजाजी राष्ट्रीय उद्यान के भीतर एक टाइगर रिज़र्व में **भारत का पहला** बायोस्फीयर बनाया, जिसे **राजाजी राघाटी बायोस्फीयर (RRB)** कहा जाता है।
- बायोस्फीयर एक **35 एकड़ की निजी वन पहल है** जिसका उद्देश्य क्षेत्र को शिकारियों और खनन से बचाते हुए देशी वृक्षों की**दुर्लभ तथा लुप्तप्राय प्रजातियों की पहचान करना एवं उन्हें पुनर्जीवित करना है।**
    - RRB के लिये निर्धारित **भूमि पहले बंजर और क्षरित अवस्था में थी।**
- वे पश्चिमी घाट के साथ महाराष्ट्र के पुणे के पास **सह्याद्री टाइगर रिज़र्व** के बफर ज़ोन में **कोयना नदी** के ऊपर एक दूसरा बायोस्फीयर भी विकसित कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस

- **परिचय:**
    - संयुक्त राष्ट्र सभा ने **वर्ष 1972 में विश्व पर्यावरण दिवस** की स्थापना की, जो मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम कन्वेंशन का प्रथम दिन था।
    - **विश्व पर्यावरण दिवस (WED) प्रतिवर्ष** एक विशिष्ट **थीम** और नारे के साथ **मनाया जाता है जो उस समय के प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर केंद्रित होता है।**
        - वर्ष 2024 में WED की मेज़बानी **सऊदी अरब** करेगा।
        - **भारत** ने वर्ष 2018 में **'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएँ' थीम** के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के 45वें समारोह की मेज़बानी की।
    - वर्ष 2021 में WED समारोह ने पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) की शुरुआत की, जो वनों से लेकर खेतों तक, पर्वतों की चोटियों से लेकर सागर की गहराई तक अरबों हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का एक वैश्विक मिशन है।
- **वर्ष 2024 की थीम:**
    - भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।
    - वर्ष 2024 मरुस्थलीकरण रोकथाम हेतु संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UN Convention to Combat Desertification-UNCCD) **की 30वीं वर्षगाँठ भी होगी।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-environment-day-7